ओ मन बड़ो जबर रे संता,
जिनके काम पड़े इन मन से,
वाको पूरी खबर रे संता,
ओ मन बड़ों जबर रे।।

ओ मन मारो उड़ आकाशा,
बिना फाख बिना पर र संता,
लाख कोस की सूरत लगावे,
सांधे पाल अधर र संता,
ओ मन बड़ों जबर रे।।

ओ मन मारो माया संग डोले,
फीरथो फिर घर घर र संता,
सो वर्षा को नियम लगावे,
पथो नी चले पल र संता,
ओ मन बड़ों जबर रे।।

सब दुनिया न नाच नचाव,
सब के गाली तर र,
ज्ञानीध्यानी मिल पकड़ पचाटियो,
कर दिनू सिधो सर र संता,
ओ मन बड़ों जबर रे।।

मन न मार सूरथा न डा टे,
वहीं पूरा फखद र संता,
केव कबीर सुनो भाई साधो,
पवोला निज घर र संता,
ओ मन बड़ों जबर रे।।

ओ मन बड़ो जबर रे संता,
जिनके काम पड़े इन मन से,
वाको पूरी खबर रे संता,
ओ मन बड़ों जबर रे।।

गायक सुखदेव जी महाराज कुचेरा।
प्रेषक महेंद्र परिहार देवला।
6367514884

Source: https://www.bharattemples.com/o-man-bada-jabar-re-santa-bhajan/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw